JESUS REDEEMS MINISTRIES

युवा जीवन

सितम्बर 2024

एक है जो मेरी चिंता करता है, मुझसे प्यार करता है, और मेरी अगुवाई करता है, वह है यीशु। वह परमेश्वर है....

जो ध्यान रखता है!

हर पांचवें रविवार को हमारे पास युवाओं के लिए एक विशेष कार्यक्रम होता है - "रिवाइवल इग्नाइटर फ़ेलोशिप"। यह जीसस रिडीम्स मिनिस्ट्रीज के यूट्यूब चैनल पर 29/09/2024 और 29/12/2024 को दोपहर 3:00 बजे "लाइव" प्रसारित किया जाएगा।
कृपया अधिक जानकारी के लिए नीचे दिए गए नंबर पर हमसे संपर्क करें।

YouTube Jesus Redeems - Hindi | Comforter DIGITAL CHANNEL | www.comfortertv.com

संपर्क संख्या : +919750955548

Revival IGNITERS Monthly Fellowship

इग्नाइटर्स यूथ फ़ेलोशिप एक जगह है जहां युवा अपनी आध्यात्मिकता को प्रज्वलित करते हैं जीवन की गहन सच्चाइयों की खोज करें बाइबल, और प्रार्थना करने में शक्ति पाएँ एक समूह के रूप में देश।आपका स्वागत है इस फ़ेलोशिप में शामिल होने और बढ़ने के लिए मज़बूत। चलो भी! अपने आप को मजबूत करो,और दूसरों को मजबूत करने के लिए तैयार हो जाइये !

हर पहले रविवार

Mumbai – Dharavi
Timing: 5.00 PM- 7.30 PM
World Revival Prayer Centre
2nd Floor, Above Balakrishna
Farsan Mart, Opp. Apna Restaurant,
Near Kamarajar School,
90 Feet Road,
9004882470

हर दूसरे रविवार

THANE
Timing: 5PM - 7:30PM
R.P. Mangala High School
(Near Railway Station),
Room No.10,
Opp. Bank of Maharashtra,
Thane (East)
9004882470

हर चौथे रविवार

Mumbai-Malad
Timing: 4.00 PM – 6.00 PM
Bethel Ground Floor
305/E, Mith Chauky,
Marve Road,
Malad (W)
9664050567 | 9619996976

मेरे प्रिय नौजवानो,

यीशु मसीह के अनुग्रहकारी नाम में आपको अभिवादन!

मैं परमेश्वर को दिल से धन्यवाद देता हूँ, जिसने पिछले एक महीने से आपको अपनी आँख की पुतली की तरह सुरक्षित रखा है। हमारी वर्तमान दुनिया में, आत्म-केंद्रितता प्रचलित है। लोग अक्सर केवल अपने बारे में सोचते हैं, दूसरों की ज़रूरतों और दुखों पर विचार करना नज़रअंदाज़ करते हैं। हम ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ हम अपने आस-पास के लोगों के दर्द को समझने या उनके बारे में पूछताछ करने के लिए शायद ही कभी रुकते हैं।

लेकिन, हमारा परमेश्वर ऐसा नहीं है। वह पूछता है, "तुम कैसे हो? मैं तुम्हारे लिए क्या कर सकता हूँ?" वह हमारी परिस्थितियों को गहराई से समझता है और अपनी सहायता प्रदान करता है।

- जब उसने हजीरा को जंगल में एक अनाथ की तरह भटकते देखा, तो उसने पूछा, "तुम कहाँ से आई हो और कहाँ जा रही हो?" हालाँकि उसका स्तर एक दासी का था इसके बावजूद, उसने उसे सांत्वना दी, उसकी पुकार सुनी और उसे एक नया मार्ग दिखाया।

- जब अंधे बरतिमाई ने सड़क के किनारे से पुकारा, तो यीशु ने रुककर पूछा, "तुम क्या चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिए करूँ?" जब दूसरे लोग उसे चुप कराने की कोशिश कर रहे थे, तब भी यीशु ने दूर से ही उसकी विश्वास की पुकार सुनी और उसे चंगा किया, उसकी दृष्टि वापस ला दी।

- 38 साल तक, समाज द्वारा भुला दिया गया और अपने परिवार द्वारा त्यागे गए एक व्यक्ति जो कुण्ड के किनारे पड़ा रहा, यीशु ने उसे ढूँढ़ा और पूछा, "क्या तुम ठीक होना चाहते हो?" उस व्यक्ति के निराशा के कई क्षणों के बावजूद, यीशु के सवाल ने उसे मुक्ति और एक नई शुरुआत दिलाई।

प्रिय युवा पाठकों, क्या आप अक्सर खुद को किसी ऐसे व्यक्ति के लिए तरसते हुए पाते हैं जो आपकी देखभाल करे, आपको प्यार दिखाए? एक परमेश्वर है जो आपके गहरे दुखों को समझता है और आपके जीवन के लिए सुंदर योजनाएँ रखता है, जो आशीषों और जीत से भरी हैं। जब आप उस पर भरोसा करते हुए जीवन जीने के लिए प्रतिबद्ध होते हैं, तो आप कई लोगों के लिए आशीष का कारण बन सकते हैं। परमेश्वर निस्संदेह इस पुनरुत्थान के समय में आपको सशक्त बनाएगा और आपका उपयोग करेगा।

यह जाने की आपके देश के लोग अभी भी उस परमेश्वर से अनजान हैं जो आपकी देखभाल करता है, आपकी मदद करता है और आपको ऊपर उठाता है।

प्रार्थना के साथ उठें और यीशु के प्रेम को विजयी रूप से सांझा करें!

मसीह के मिशन में
मोहन सी. लाजर

जॉर्ज का खेल साहसिक

यह गवाही भाई जॉर्ज अब्राहम की है, जिन्होंने छोटी उम्र से ही शिक्षा और खेल दोनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, कई पुरस्कार जीते और राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी बने। वह अब एक इंजीनियर के रूप में काम कर रहे हैं और अपनी अविश्वसनीय सफलता का रहस्य साझा करने के लिए हमारे साथ हैं। आइए, उनकी बात सुनें।

हेलो जॉर्ज! क्या आप हमें अपने परिवार और बचपन के बारे में बता सकते हैं?

जरूर ! मेरा जन्म और पालन-पोषण मुंबई में श्री स्पर्जन कुमार और श्रीमती कलारानी कुमार के दूसरे बेटे के रूप में हुआ। मेरा एक बड़ा भाई है जो अपनी खुद की कंपनी चलाता है। मेरा गृहनगर तिरुनेलवेली है। मेरे पिता अपनी शादी से पहले काम के लिए मुंबई चले आये और यहीं बस गए। एक पारंपरिक मसीही परिवार में मेरी परवरिश ने मुझमें मसीही मूल्यों को स्थापित किया। हर रविवार को, हम पारिवारिक रूप में एक साथ चर्च जाते थे। बच्चों के रूप में, हमारे माता-पिता हमें बाइबल की आयतें पढ़ाते थे और हमें उन्हें याद करवाते थे। छोटी उम्र से ही, उन्होंने मुझे सभी कलीसियाई कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। मैं स्कूल में एक उत्कृष्ट छात्र भी था और मेरे शिक्षक मेरा बहुत सम्मान करते थे।

आपके परिवार के बारे में सुनकर बहुत अच्छा लगा। क्या आपको बचपन से ही खेलों में रुचि थी?

हां, बिल्कुल! बचपन से ही मुझे खेलों का बहुत शौक रहा है। मैं शतरंज और कैरम जैसे इनडोर गेम खेलता था। इसके अलावा, मैंने एथलेटिक्स में भाग लिया और 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ में कई पदक जीते। सातवीं कक्षा में, मैंने अपने दोस्तों के साथ फुटबॉल खेलना शुरू किया और खेल में मेरी बहुत रुचि हो गई। विभिन्न कोच ने मेरी ट्रेनिंग को और तेज किया, जिससे मेरा चयन राज्य स्तर पर हुआ। इसके माध्यम से, मैंने कई पुरस्कार जीते हैं और बहुत जुनून के साथ खेला है।

वाह, यह शानदार है! क्या आप हमें अपने द्वारा जीते गए पुरस्कारों के बारे में बता सकते हैं?

मुझे शिक्षा और खेल में 250 से अधिक प्रमाण पत्र मिले हैं। मेरे अधिकांश पदक 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ के साथ-साथ लंबी कूद स्पर्धाओं से आए हैं। इसके अलावा, मुझे पाठ्येतर गतिविधियों के लिए कई प्रमाण पत्र मिले हैं। मैंने स्कूल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए एक ट्रॉफी और निचली कक्षाओं से 10वीं कक्षा तक के मूल्यांकन के आधार पर "वर्ष का सर्वश्रेष्ठ छात्र" ट्रॉफी जीती। मुझे ज्यादातर फुटबॉल के लिए शील्ड और प्रमाण पत्र मिले हैं। धीरे-धीरे, मैं राष्ट्रीय स्तर पर पहुँच गया और सैन डिएगो, कैलिफ़ोर्निया, यूएसए में GYLS (ग्लोबल यूथ लीडर्स समिट) में दो बार भारत का प्रतिनिधित्व किया।

आप निश्चित रूप से इतने सारे पदक और प्रमाण पत्र जीतने वाले एक उत्कृष्ट एथलीट हैं! फ़ुटबॉल में चोट लगना आम बात है। क्या आपके पास कोई अविस्मरणीय चोट का अनुभव है?

फ़ुटबॉल जैसे खेलों में, चोट लगना अपरिहार्य है। आमतौर पर, मेरी छोटी-मोटी चोटें प्रार्थना और दवा से ठीक हो जाती हैं। हालाँकि, फरवरी 2023 में, क्लब में खेलते समय, डिफेंडर ने मुझे मारा, जिससे मेरा टखना घायल हो गया। यह सोचकर कि यह एक सामान्य चोट है, मैंने इसका इलाज खुद किया, लेकिन एक हफ़्ते बाद भी दर्द कम नहीं हुआ। मेरा टखना सूजने लगा और मैं दर्द के कारण रात को सो नहीं पाता था। मैं दूसरों की मदद से ही चल पाता था। जब मैंने डॉक्टर को दिखाया, तो एक्स-रे से पता चला कि मुझे छह महीने की दवा और फिजियोथेरेपी की ज़रूरत है, और इसे ठीक करने के लिए मुझे अपना पैर स्थिर रखना होगा। मैं बहुत निराश था, क्योंकि मैं खेल नहीं पा रहा था।

क्या दवा और फिजियो ने मदद की? आप इससे कैसे उबरे?

10 दिनों की दवा और फिजियोथेरेपी के बाद भी दर्द कम नहीं हु आ । मेरी हालत देखकर मेरे माता-पिता ने मुझे "आओ, प्रार्थना करें (जेबिक्कलम वांगा)" कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। मई 2023 में, हमने एक परिवार के रूप में 'चमत्कार महोत्सव' देखा, जिसका प्रसारण हर महीने के आखिरी रविवार को होता है। प्रार्थना के दौरान, मोहन अंकल ने मेरा नाम "जॉर्ज अब्राहम" बताया और मेरी बीमारी के बारे में बताया, यह घोषणा करते हुए कि यीशु मसीह उसी क्षण मुझे ठीक कर रहे थे। उस प्रार्थना ने न केवल मुझे अपार प्रोत्साहन दिया, बल्कि मेरे भीतर एक नई आशा भी जगाई। मेरा दिल असीम खुशी से भर गया।

उस प्रार्थना के तीन दिन बाद, मैं बिना किसी सहायता के पास की दुकान तक चलने लगा। एक हफ़्ते बाद, मैंने खुद को फ़ुटबॉल के मैदान पर पाया, जहाँ मैं पहले से कहीं ज़्यादा जोश के साथ दौड़ रहा था और खेल रहा था, यहाँ तक कि अपने पैर की चोट से भी ज़्यादा जोश के साथ। अब मेरा पैर पूरी तरह से ठीक हो गया है, और मुझे तब से किसी दवा की ज़रूरत नहीं पड़ी है। डॉक्टर, जिन्होंने छह महीने तक दवा और आराम करने की सलाह दी थी, मुझे सिर्फ़ एक महीने में पूरी तरह से ठीक होते देखकर हैरान रह गए। मैं पूरे विश्वास के साथ

कह सकता हूँ कि यह चमत्कार सिर्फ़ यीशु के ज़रिए ही संभव हुआ।

बहुत बढ़िया! आप प्रभु के लिए क्या कर रहे हैं, जिन्होंने आपके लिए इतना बड़ा चमत्कार किया है?

प्रभु के साथ मेरा रिश्ता और भी गहरा हो गया है। मेरे दोस्त मेरे इतनी जल्दी ठीक होने पर हैरान थे, इसलिए मैंने अपनी गवाही उनके साथ साझा करना शुरू कर दिया। मैं कई शिविरों में भाग लेता हूँ और आध्यात्मिक रूप से आगे बढ़ता रहता हूँ। मैं छोटी-छोटी सेवकाईयों में भी शामिल होता हूँ। मैंने मुंबई में बीई सी.एस. की पढ़ाई की और बैंगलोर जाने से पहले वहाँ काम किया, जहाँ मैं डेटा इंजीनियर के तौर पर काम करता हूँ। मैं मुंबई में कार्टर रोड पर लियो क्लब का सदस्य भी हूँ।

आप युवाओं से क्या कहना चाहेंगे?

आज की पीढ़ी घर से ही सब कुछ हासिल करना चाहती है, जो एक गलत तरीका है। अपने शरीर को मज़बूत बनाने के लिए आपको बाहर खेलने की ज़रूरत है। घर पर खेलना बाहर खेलने से बहुत अलग है। बाहर जाने से धैर्य आता है और आप ऊर्जावान बने रहते हैं। जो लोग बाहर नहीं खेलते हैं वे आलसी होते हैं। इसलिए, बाहर खेलना बहुत फ़ायदेमंद है। इसी तरह, सुसमाचार फैलाने के लिए, आप छोटी-छोटी सेवकाई कर सकते हैं। दूसरों के साथ अपनी गवाही साझा करने से प्रभु के नाम की महिमा होगी। यीशु आपको अनुग्रह प्रदान करेंगे। उत्साही बनो और बाहर जाओ!

प्रिय नौजवानों! जैसा कि नीतिवचन 13:4 कहता है, "आलसी का मन लालसा तो करता है, परन्तु कुछ नहीं पाता", सिर्फ़ सफलता की कामना करना ही काफ़ी नहीं है। भाई जॉर्ज की तरह प्रयास करें! छोटी-छोटी असफलताओं और चोटों को अपने ऊपर हावी न होने दें। दर्द सहें, आलस्य पर काबू पाएँ और आगे बढ़ें। प्रभु आपकी मदद करेंगे! ■

राष्ट्र के लिए प्रार्थना करें... 'यीशु छुड़ाता है'

विश्व जागृति प्रार्थना भवन

Our Branches

Mumbai (Dharavi)
World Revival Prayer Canter, T/1, Block No.11,
90 Feet Road, Rajiv Gandhi Nagar Dharavi, Mumbai - 400 017
Email: br.dharavi@jesusredeems.org, Ph: +91 8082410410

Mumbai (Malad)
World Revival Prayer Center, Bethel, Plot 305/E,
Mith Chowky Marve Road, Malad(w) Mumbai - 400064
Ph: +91 9664050567

Ranchi
World Revival Prayer Centre, Kadru Sarna Toli,
Near Argora Railway Station, Road no -1, Doranda P.O
Ranchi - 834 002, Jharkand,
Email: br.ranchi@jesusredeems.org, Ph: 9523336010

Chandigarh
World Revival Prayer Centre, SCO 1st Floor, Dhakoli-Kalka Road,
NH-22, Near City Court Zirakpur, Punjab- 160104
Email: br.chandigarh@jesusredeems.org, Ph: 9417726492

Delhi
World Revival Prayer Centre, Plot no 152, Ground floor,
Pratap nagar,opposite harinagar bus depot, New Delhi - 110064
Email: br.delhi@jesusredeems.org, Ph: 011-25616253 / 35580428

Come and Pray

TECH - 8

अपने फोन को समझदारी से संभालें

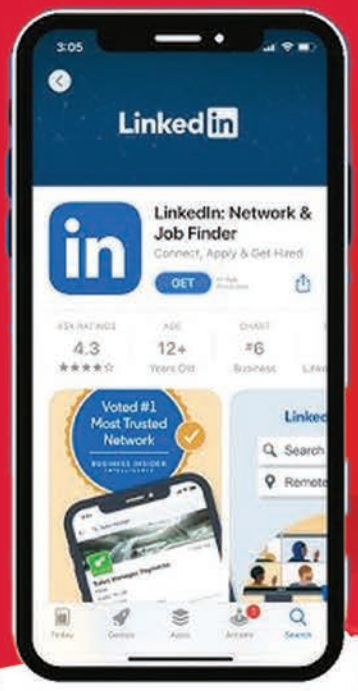

अभिवादन मित्रों! "अपने मोबाइल फोन को समझदारी से संभालें" शीर्षक वाले इस ज्ञानवर्धक लेख के माध्यम से आपसे पुनः जुड़कर मुझे बहुत खुशी हो रही है। तकनीकी प्रगति के इस चक्रवात में, हमारे मोबाइल फोन, ये छोटे अजूबे दुनिया को हमारी उंगलियों पर रखते हैं, लाभों का खजाना प्रदान करते हैं लेकिन साथ ही अपने साथ कुछ नुकसान भी लेकर आते हैं। मैं इस लेख के माध्यम से आपका मार्गदर्शन करने के लिए उत्साहित हूँ, जिसमें आपको दिखाया जाएगा कि समय चुराने वाले जाल से कैसे बचें और इसके बजाय इन उपकरणों में निहित अपार संभावनाओं को खोलें।

जबकि हमारे मोबाइल फोन हमें कई काम करने में सक्षम बनाते हैं, तौभी आजकल वे मुख्य रूप से सोशल नेटवर्किंग के दायरे में हैं। ऑर्कुट, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और थ्रेड्स जैसे प्लेटफ़ॉर्म लगातार विकसित हो रहे हैं, जो हमारा ध्यान और समय दोनों खींचते हैं। जबकि ये प्लेटफ़ॉर्म अक्सर केवल मनोरंजन केंद्र के रूप में काम करते हैं, कुछ सोशल नेटवर्किंग साइट्स हमारे व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास में महत्वपूर्ण रूप से सहायता कर सकती हैं। ऐसा ही एक अमूल्य प्लेटफ़ॉर्म है लिंक्डइन(linkedin) ।

लिंक्डइन, नौकरी चाहने वालों के लिए एक मार्गदर्शक, एक सावधानीपूर्वक तैयार की गई वेबसाइट है जो आपको आपकी सपनों की नौकरी से जोड़ने के लिए डिज़ाइन की गई है। आप अपने कौशल और आकांक्षाओं के अनुरूप अनगिनत अवसरों का पता लगा सकते हैं। इस प्लेटफ़ॉर्म पर, कई कंपनियाँ और उनके मानव संसाधन (HR) विभाग सक्रिय रूप से प्रतिभा की तलाश कर रहे हैं। एक मज़बूत प्रोफ़ाइल बनाकर और अपनी साख दिखाकर, आप संभावित साक्षात्कार और नौकरी के प्रस्तावों के लिए दरवाज़ा खोलते हैं। लिंक्डइन आपको उन प्रमुख कंपनियों को लक्षित करने की अनुमति देता है जो आपकी शैक्षिक पृष्ठभूमि और कैरियर के लक्ष्यों के साथ संरेखित हैं और साइट के माध्यम से सीधे आवेदन करती हैं। आज के डिजिटल युग में, नौकरी की तलाश से लेकर रोज़गार हासिल करने तक का सफ़र अक्सर लिंक्डइन के ज़रिए ही तय होता है। इसके अलावा, विभिन्न संगठनों के HR पेशेवर साक्षात्कार के निमंत्रण देने से पहले उम्मीदवारों के लिंक्डइन प्रोफाइल की छानबीन करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे सबसे योग्य व्यक्तियों की पहचान करें। चाहे आप नए स्नातक हों या अनुभवी पेशेवर, अपने लिंक्डइन प्रोफाइल को अपडेट रखना महत्वपूर्ण है। आपकी प्रोफ़ाइल आपके पेशेवर व्यक्तित्व का डिजिटल प्रतिबिंब है और वह पैमाना है जिसके द्वारा संभावित नियोक्ता आपकी क्षमताओं को मापते हैं। प्रिय युवाओं, आपमें से जो लोग यह लेख पढ़ रहे हैं, वे नौकरी की तलाश में अनिश्चितताओं से जूझ रहे होंगे या नौकरी छूटने से जूझ रहे होंगे, खोया हुआ महसूस कर रहे होंगे और अपने अगले कदमों के बारे में अनिश्चित होंगे। निराश न हों। बाइबल यह गहरा आश्वासन देती है: "अपनी सारी चिंता उसी पर डाल दो क्योंकि उसे तुम्हारा ध्यान है" (1 पतरस 5:7)। अपनी चिंताओं को यीशु पर छोड़ दें और प्रार्थना में उन्हें अपने ऊपर उठाएँ। अपने कीमती पलों को अपने मोबाइल फोन पर तुच्छ कामों में बर्बाद करने के बजाय, अपना समय इस तरह के सार्थक प्रयासों में लगाएँ। भरोसा रखें कि प्रभु आपकी प्रार्थनाएँ सुनेंगे और आपको अपनेआशीषों से भर देंगे।

एक झलक की कीमत

प्रिय अन्ना, मैं अभी एक आईटी कंपनी में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्यरत हूं। अपनी सारी कोशिशों के बावजूद, मैं अपने फोन पर ब्लू फिल्म देखने के प्रलोभन का विरोध करने में असमर्थ हूं। यह पापपूर्ण आदत मेरे समय के कई घंटे खा जाती है, जिससे मैं अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ हो जाता हूं, जिसके कारण मेरे प्रदर्शन में काफी गिरावट आई है। नतीजतन, मेरी नौकरी अब खतरे में है। मेरे माता-पिता इस संघर्ष से अनजान हैं। मैं अनैतिक लालसाओं, काम के मुद्दों और एक दोषी विवेक के चक्र में फंस गया हूं। मैं इन समस्याओं में गहराई से उलझा हुआ हूं। कृपया मुझे इस बात का मार्गदर्शन करें कि मैं इससे कैसे मुक्त हो सकता हूं। - सेल्वा चितूर

प्रिय भाई सेल्वा, मैं आपके दर्द और आपके द्वारा अनुभव की जा रही पीड़ा को समझता हूं। जो आप चाहते हैं उसके बजाय जो आप घृणा करते हैं उसे करने की पीड़ा स्पष्ट है। सेल्वा, यदि आप वास्तव में चाहते हैं तो आप किसी भी दलदल से बाहर निकल सकते हैं। यह दुष्ट बंधन के साथ भी ऐसा ही है। आपकी निराशा के अलावा, यह आदत आपको चार चरणों में फंसाती है:

चरण 1 - फिसलन:

एक प्रारंभिक चूक। यदि आप इसे प्रारंभिक चरण में नियंत्रित करने में कामयाब होते या परमेश्वरिय सहायता के लिए पुकारते, तो आप पाप से बच सकते थे।

चरण 2 - लक्षण:

यह एक आवर्ती आदत बन जाती है।

चरण 3 - पाप:

यह पाप के रूप में जड़ जमा लेता है।

चरण 4 - गढ़:

यह आपके जीवन में एक स्थायी गढ़ के रूप में स्थापित हो जाता है।

इन सभी चरणों से गुजरने के बाद ही पाप स्थायी रूप से बसता है। हम शुरू में अपने विचारों में पाप पर काबू पा सकते हैं, लेकिन जब हम इसे अपने दिमाग में घुसने देते हैं, तो हम फिर से फिसल जाते हैं।

समय के साथ, यह फिसलन आदत बन जाती है, और अनुपयुक्त सामग्री देखने का विचार अक्सर उठता है। अंततः यह एक पाप के रूप में हावी हो जाता है और अंत में हमें नुकसान पहुँचाता है।

इस पाप पर कैसे काबू पाएँ?

- अकेले रहने से बचें। जब भी संभव हो, समूह में या दोस्तों के साथ रहने की कोशिश करें।
- रात 9:30 बजे के बाद किसी भी काम के लिए अपने फोन का इस्तेमाल न करने का संकल्प लें और उसे बंद कर दें।
- दिन में व्हाट्सएप पर सभी संदेश पढ़ने और वीडियो देखने से बचें, क्योंकि ये आपके विचारों को प्रभावित कर सकते हैं।

- समाचार पत्र पढ़ते समय भी, उन खंडों से बचने की कोशिश करें जो अनुचित विचारों को जन्म दे सकते हैं। छोटी-छोटी तस्वीरें और अंश भी आपके दिमाग में अनावश्यक विचार पैदा कर सकते हैं।
- वाहन या बस में यात्रा करते समय, इधर-उधर बिना उद्देश्य के देखने से बचें। अपनी आँखों को केंद्रित रखें, और आपके विचार संरेखित रहेंगे।
- सबसे बढ़कर, अपनी आँखों और विचारों के लिए प्रार्थना करें। परमेश्वर आपको इन कामुक विचारों पर काबू पाने में मदद करेगा। शैतान जानता है कि आपको अकेले में कैसे नीचे गिराना है, लेकिन यीशु आपकी रक्षा कर सकता है और आपको उसी स्थिति में जीत दिला सकता है।

बाइबल से आयतें उद्धृत करें और जीत हासिल करें

आपकी आँखों के लिए:

"आँख शरीर का दीपक है" (मत्ती 6:22-23; 5:28)।
"मैंने अपनी आँखों के साथ वाचा बाँधी है" (अय्यूब 31:1)।

आपके हृदय के लिए:

"अपने हृदय की पूरी सावधानी से रक्षा करो" (नीतिवचन 4:23)।

अपने मन के लिए:

"हम हर एक भावना को बंदी बनाकर मसीह के आज्ञाकारी बना देते हैं" (2 कुरि.10:5) ।

इन आयतों को ज़ोर से बोलें और इस पाप पर विजय पाने के लिए प्रार्थना करें। बाइबल स्पष्ट रूप से कहती है, "जो अपने पापों को छिपाता है, उसका कार्य सफल नहीं होता, परन्तु जो उन्हें स्वीकार करके त्याग देता है, उस पर दया की जाती है" (नीतिवचन 28:13)।

सेल्वा, परमेश्वर तुम्हें स्थायी और अनन्त मुक्ति प्रदान करेगा। प्रभु द्वारा प्रदान किए गए चमत्कारी उद्धार को अपनाएँ और उसके लिए काम करना जारी रखें। जब तुम पाप पर विजय पाओगे और पवित्र जीवन जीओगे, तो तुम्हारा जीवन अराजकता के बजाय उन्नति और विजय से भर जाएगा। समृद्धि और स्वतंत्रता के मार्ग पर हार्दिक शुभकामनाएँ! परमेश्वर का अनुग्रह तुम्हारे साथ रहे!

यीशु 'शान्ति का प्रभु'

"मैं तुम्हे शान्ति दिए जाता हूँ, अपनी शान्ति तुम्हें देता हूँ; जैसे संसार देता है, मैं तुम्हे नहीं देता ; तुम्हारा मन व्याकुल न हो और न डरे।" (युहन्ना 14:27)।

हर जगह अशांति का माहौल है, हम जहां काम करते हैं, वहां, व्यापारिक स्थानों पर, बच्चों के जीवन में हम जो पीड़ादायक बात देखते हैं, वह यह है कि उनकी शांति भंग हो गयी है। +2 परीक्षा में अगर बच्चों को एक अंक भी कम मिल जाए तो वे अपना चैन खो देते हैं। उनके जीवन में भ्रम और तनाव आ जाता है। ऐसी बातें क्यों होती हैं? मर जाना ही बेहतर है, ऐसा उन्हें लगता है। एक अंक के नहीं मिलने पर ही उनका चैन खो जाता है। यहाँ तक अगर एक व्यक्ति के थोड़े सिर दर्द से ही सारा परिवार बेचैन हो जाता है। हमें शान्ति प्रिय है। एक छोटी सी बात पर भी हम परेशान हो जाते हैं और हमारी शान्ति भंग हो जाती है। इसका क्या कारण है? आपके हृदय में शान्ति है। आपके इस अशांति भरे जीवन को देख कर यीशु कहते हैं,**"मेरे प्रिय बच्चों, मेरी शान्ति, अलौकिक शाति, मैं तुम्हें देता हूँ।"**

कैसी है वो शान्ति जो प्रभु यीशु हमें देतें हैं?

प्रभु यीशु उस नाव में जिसमे वह अपने चेलों के साथ सफ़र कर रहा था, सो रहा था। तब एक बड़ी आँधी और चक्रवात ने उस नाव को घेर लिया और लहरे बड़ी जोर से नाव से टकरा रहीं थी। ऐसी परिस्तिथि में चेलों ने प्रभु यीशु को जगाया। प्रभु यीशु ने उठ कर देखा की भरी आँधी चल रही है, समुद्र में चक्रवात है और नाव डगमगा रही है। प्रभु यीशु ये देख कर नहीं डरे। उन्होंने अपने चेलों से कहा,"तुम क्यों डरे?, तुम्हारा विश्वास कहाँ है? उसने लहरों से कहा कि शांत हो जाओ और गर्जन बंद करो, और समुद्र शांत हो गया.। जब सब डरे हुए थे और थरथरा रहे थे तब प्रभु यीशु ने खड़े होकर, बड़ी शान्ति से उनसे पूछा 'तुम क्यों डरे?'। ऐसी हैं प्रभु यीशु की शान्ति। प्रभु यीशु ऐसी शान्ति के साथ इस जगत में आया। तो फिर जब प्रभु यीशु इस दुनिया में आये तो मनुष्य के हृदय में शान्ति क्यों नहीं है? हम हर जगह अशांत स्थिति देखते हैं। मनुष्यों की शान्ति क्यों भंग हो गयी है? इसका क्या कारण है?

पाप

आपकी शांति किसी पाप से प्रभावित हुई है जिसने आपको अपवित्र किया है, कोई पाप जो आपका पीछा करता है और जिसका असर आपकी शान्ति पर हुआ है। (यशायाह 57:21) "दुष्टों के

लिए शान्ति नहीं है...)। (लुका 7:37-50) में हम एक पापिनी स्त्री के विषय पढ़ते हैं जो यीशु के चरणों में आंसुओ के साथ रोयी, अपने आंसुओ से उसके पैरों को भिगोया, उसने यीशु से अपने मुहं से कुछ नहीं कहा, कुछ नहीं पूछा, उसका ह्रदय टुटा हुआ था, वह रोयी। वह तो ऐसी पापिनी स्त्री थी, उसने सोचा होगा की कैसे वह यीशु को छु सकती है। पर प्रभु यीशु की आखों ने उसकी आखों को गहरायी से परखा. उसका पाप ही था जिससे उसका जीवन प्रभावित था, इसलिए वह रो रही थी, वह शाति रहित थी। " तुम्हारे पाप क्षमा हुए, शाति से जाओ' ये कह कर यीशु ने उसके ह्रदय में अनंत शाति दिया। जब तक पाप हमारे ह्रदय में बना रहता है हमारे जीवन में अशांति बनी रहती है।

रोग

(मरकुस 5:34), 'और उसने उससे कहा, पुत्री तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है, शान्ति से चली जा और अपनी बीमारी से बची रह'। उसके शरीर में रक्त के रिसाव के कारण हड्डियां और चमड़ी ही रही होगी। उसने अपनी शान्ति खो दी, उसने अपनी सांत्वना खो दी। जब भी रोग आते हैं शान्ति चली जाती है। जब हम बीमार हो जाते हैं तो सारे परिवार पर इसका प्रभाव होता है। आपकी ओर देखते हुए यीशु कहते हैं,'मैं तुझे चंगा करूँगा और शान्ति से भर दूंगा'। चाहे किसी भी प्रकार की बीमारी हो, वह आपको चंगा कर सकता है। आपको केवल एक ही काम करना है, यह विश्वास करना है की यीशु मेरे लिए चमत्कार करेंगे।

डर

(युहन्ना 20:19), 'उसी दिन जो सप्ताह का पहला दिन था, संध्या के समय जब वहां के द्वार जहाँ चेले थे, यहूदियों के डर के मारे बन्द थे, तब यीशु आया और उनके बीच में खड़ा होकर उनसे कहा,"तुम्हें शान्ति मिले"। वहां पर एक कारण है जिस वजह से उनकी शान्ति चली गयी थी। उसका कारण क्या था? डर।

बाइबिल हमें बताती है की वे डर गए थे और दरवाजा बंद करके उस कमरे में थे। उस डर की वजह से उनकी शान्ति चली गयी थी। 'उन धार्मिक अगुओ ने यीशु को मार दिया था, क्या वे हमें छोड देंगे? वे हमें भी मार देंगे।' यही उनके डर का कारण था, मृत्यु का डर। इस यीशु पर विश्वास करते हुए हमने अपनी नाव को छोड़ा, अपने परिवार को छोड़ा और सब छोड़कर उसके पीछे चले। पर अब वह मर चूका है। उसे दफना दिया गया है। हम कैसे जियेंगे? हम क्या करेंगे? कैसे करेंगे? इन बातों का डर। एक तरफ मृत्यु का डर तो दूसरी ओर भविष्य का डर। इन्ही डर की वजह से चेलों के ह्रदय अशांति से भर गए। जब वे चिंतित थे तभी पुनर्जीवित यीशु उनके सन्मुख आ खड़ा हुआ, कहा,'तुम्हे शान्ति मिले, तुम क्यों डरते हो, मैं जीवित हूँ'। ज्योंही यीशु ने ये बात कही, उनका डर चला गया और उनका ह्रदय शान्ति और आनंद से भर गया।

प्रिय मित्रों ! आज किसी बात का डर आपको सता रहा है, दुष्टों का डर। किसी को मृत्यु का डर हो सकता है, तो किसी को अपने भविष्य का डर, अपनी आने वाली जरूरतों का डर, कर्जे का डर, अन्य परिस्तिथियों का डर। क्या कोई डर आपको सता रहा है और आपकी शान्ति का नाश कर रहा है? यीशु कहता है,' मैं अपनी शान्ति तुम्हें देता हूँ।' जब यह शान्ति आपके भीतर आ जाएगी तो चाहे आँधी आये या नाव डूबने लगे, तोभी आपके ह्रदय में शान्ति बनी रहेगी। हममें डर क्यों? हम क्यों चिंता करें? यीशु हमारे साथ है, है न ?

बहादुर तीमुथियुस

भाग 8

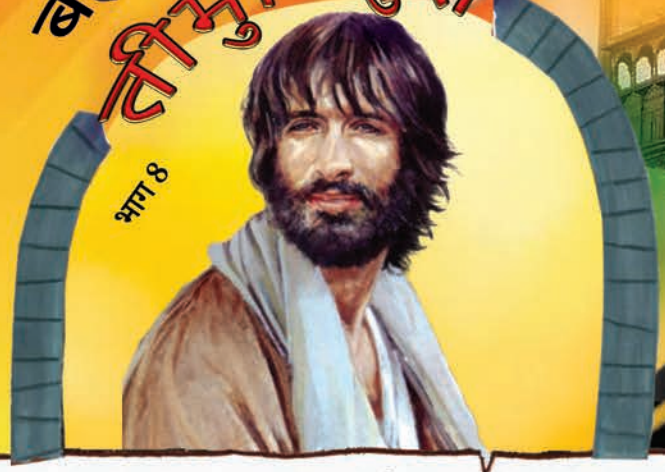

हेलो दोस्तों, मुझे अत्यंत ख़ुशी हो रही है आपसे दोबारा मिल कर इस श्रंखला में जिसका नाम है, 'बहादुर तीमुथियुस' !
क्या आपने स्वतंत्रता दिवस अच्छे से मनाया? हमारा भारत जो कभी अंग्रेजों का गुलाम हुआ करता था अब स्वतंत्र हो गया है, और विकासशील देशो में गिना जाता है/
क्या हम बहुत खुश नहीं हैं?

उसी तरह, क्या हमें ख़ुशी नहीं की हमें पापों के बंधन से आज़ादी मिली है और हम पर मुहर लगी है की हम शाही यहूदी शेर की संतान हैं? क्या हमें इसका जश्न नहीं मनाना चाहिए?

क्या हमें ब्रिटिश शासन से अपनी स्वतंत्रता और उस प्रभु का जश्न नहीं मनाना चाहिए जिसने हमें बंधन से बचाया? क्या यह हमारा कर्तव्य नहीं है कि हम उन जरूरतमंद लोगों को सूचित करें जिन्हें छुटकारे की आवश्यकता है?

तीमुथियुस जो शुरूआत में एक विश्वासी था, बड़ा होते होते एक शिष्य बन गया और फिर कलीसिया को सँभालने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति बन गया। पिछले महीने हमने देखा कि कैसे पौलुस ने इफिसुस की कलीसिया में उत्पन्न समस्याओं को हल करने के लिए तीमुथियुस को भेजा। तीमुथियुस को भेजने के उपरांत उसने एक अनुसरण पत्र भेजा। वही पत्री है जिसे हम 'तीमुथियुस के नाम पौलुस की पहली पत्री' के रूप में पढ़ते हैं। पौलुस ने उस पत्री में क्या लिखा है? इफिसुस कलीसिया के एक जिम्मेदार व्यक्ति के रूप में तीमुथियुस का सुधार कार्य क्या था?

आइए इसे भीतर से देखें

गलत शिक्षा को हटाने का कार्य:- इफिसुस कलीसिया में हुमिनयुस और सिकन्दर उठे और वे अजीब और दुष्ट सिद्धांतों का प्रचार कर रहे थे जो यीशु और प्रेरितों की शिक्षा के विरुद्ध थे।

इसलिए कलीसिया में झगड़े पैदा हुए। कुछ लोगों का विश्वास क्षतिग्रस्त हो गया। तीमुथियुस को न केवल झूठे सिद्धांतों को समाप्त करने का काम दिया गया बल्कि विश्वासियों को ऐसी शिक्षाओं को न सुनने की चेतावनी भी देने की भी जिम्मेदारी।

प्रार्थना योद्धाओं को खड़ा करने का कार्य

तीमुथियुस को रोम के शासक नेताओं, शहर की शांति के लिए सभी पुरुषों के लिए प्रार्थना करने और याचिका करने और प्रार्थना योद्धाओं को खड़े करने का कर्तव्य दिया गया था।

पुरुषों और महिलाओं को परामर्श देने का कार्य

तीमुथियुस का प्राथमिक कर्तव्य पुरुषों और महिलाओं को कैसे व्यवहार करना चाहिए, इस बारे में परामर्श देना और उन्हें उसी तरह मार्गदर्शन करना था।

अध्यक्षों को नियुक्त करने का कार्य

उसे एक ऐसा समूह चुनने का कार्य दिया गया था जिसमें परमेश्वर का भय मानने वाले ईमानदार लोग हों, और ऐसे लोग हों जिनके परिवार में स्वस्थ संबंध हों।

और ऐसे लोग जो कलीसिया के प्राचीन और डिकन के रूप में कार्य करेंगे।

झूठी शिक्षाओं को सुधारने और सच्चाई सिखाने का काम

गलत शिक्षाओं के कारण बहके हुए कलीसिया के सदस्यों के लिए, विश्वास का एक आदर्श जीवन और अपने आचरण से कलीसिया को सुधारने से कलीसिया की वृद्धि होगी। इसलिए पौलुस ने कलीसिया के लिए एक अच्छा आदर्श बनने का महत्व दिया है ताकि उसकी सलाह और प्रयास फलदायी हों।

झूठे शिक्षक विवाह न करने और कुछ भोजन की कुछ वस्तुओं से परे रहने की शिक्षा दे रहे थे, यह कह कर की वे अशुद्ध हैं। उन्हें इन बातों के बारे में सच्चाई का प्रचार करने का काम भी दिया गया था ताकि वे इन मुद्दों के बारे में बहुत स्पष्ट हो जाएँ।

विधवाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा करने का काम

उन्हें विधवाओं की देखभाल करने, बुजुर्गों के साथ प्रेम से पेश आने, उन्हें अच्छी बातें बताने और प्रचार करने का काम दिया गया था।

कलीसिया को अनन्त जीवन के लिए तैयार करने का कार्य

सेवकों को यह सिखाने का कार्य कि उन्हें अपने स्वामियों के सामने कैसा व्यवहार करना चाहिए तथा इस बारे में परामर्श देना। इफिसुस के मसीहियों को भलाई तथा परोपकार में समृद्ध बनाने तथा अनन्त जीवन से जुड़े रहने के लिए सिखाने तथा उन्हें ऐसा बनाने का कार्य।

तीमुथियुस के नाम पौलुस की पहली पत्री एक ऐसा पत्री थी जो कलीसिया के दर्शन के बारे में बताती है। यह विश्वास करने वाले पुरुषों, महिलाओं, पुरनियों, विधवाओं, स्वामियों, सेवकों तथा पुरनियों को किस तरह व्यवहार करना चाहिए, इस बारे में पूर्ण दर्शन को प्रकट करती है।

तीमुथियुस को दर्शन की पूर्ति के लिए भेजा गया था। उसके सेवकाई में बहुत से लोग थे जो उसके संपर्क में आए। परामर्श देना, झूठे सिद्धांतों को हटाना तथा सत्य की शिक्षा देना उसका कार्य था।

उसने ऐसे लोगों से संपर्क किया होगा जो उसकी आयु से कम थे, आयु में बड़े थे, अनुभवी तथा प्रतिभाशाली थे। तीमुथियुस ने धीरज और परमेश्वर के अनुग्रह से अपने दर्शन को पूरा किया।

आज भी हम युवाओं को इस दर्शन की प्राप्ति के लिए यही कार्य दिया जाता है। क्या हम तीमुथियुस के आदर्श पर चलते हुए सच्चाई और अच्छे आचरण के साथ काम करने के लिए खुद को समर्पित कर सकते हैं? प्रभु हमें शांति प्रदान करें।

साहसी युग निरंतर...

नरक का टिकट!

भाग 8

दोस्तों, हमें नरक में ले जाने के लिए शैतान की चाल है कि वह हमें पाप में गिरा दे। पिछले महीने, हमने ऐसी ही एक चाल पर चर्चा की: ठोकर(बाधाएं)। पिछले सभी महीनों में, हम उन पापों (जो नहीं करने चाहिए) पर चर्चा करते रहे हैं जो हमें नरक में ले जा सकते हैं। इस महीने, आइए जानें कि स्वर्ग में जाने के लिए हमें क्या करने की आवश्यकता है।

जल और आत्मा से जनम लेना

यीशु मसीह ने पवित्र बाइबल में कहा, "मैं तुमसे सच-सच कहता हूँ, जब तक कोई जल और आत्मा से न जन्मे, वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता" (यूहन्ना 3:5)।

जल से जन्म लेना

जल से जन्म लेना बपतिस्मा को संदर्भित करता है। बपतिस्मा उद्धार के बारे में ज्ञान प्राप्त करने के बाद किया जाने वाला कार्य है। कोई व्यक्ति कब ज्ञान प्राप्त कर सकता है? बाइबल कहती है, "प्रभु का भय मानना बुद्धि की आरम्भ है" (नीतिवचन 1:7)। प्रभु का भय क्या है? "प्रभु का भय मानना बुराई से घृणा करना है" (नीतिवचन 8:13) । बपतिस्मा पाप के लिए मरने और धार्मिकता के लिए जीने का प्रतीक है। पानी में डूबना पुराने, पापी स्वभाव को दफनाने और पाप से पश्चाताप और उद्धार के बाद मसीह में एक नए व्यक्ति के रूप में पुनरुत्थान का प्रतीक है।

पिन्तेकुस्त के दिन, पतरस ने उपदेश दिया, "मन फिराव और बपतिस्मा लो" (प्रेरितों के काम 2:38)। हालाँकि, आजकल बहुत से लोग सच्चे उद्धार का अनुभव किए बिना बपतिस्मा लेते हैं। चूँकि बपतिस्मा प्रमाणपत्र की आवश्यकता होती है, इसलिए कुछ लोग विवाह पंजीकरण के लिए ऐसा करते हैं।

अन्य लोग अपने माता-पिता के आग्रह पर 18 वर्ष की आयु में बपतिस्मा लेते हैं, भले ही उनका वास्तविक उद्धार न हो। कुछ लोग उपदेशों को सुनने के बाद डर के मारे बपतिस्मा लेते हैं, जिसमें कहा जाता है कि स्वर्ग में प्रवेश करने के लिए बपतिस्मा एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। कुछ चर्च पानी छिड़क कर शिशु बपतिस्मा भी देते हैं, जो बाइबिल की शिक्षा के विपरीत है। बाइबिल में बपतिस्मा को डुबकी के माध्यम से करने का आदेश दिया गया है।

दूसरी ओर, कुछ लोग, बचाए जाने के बावजूद, बपतिस्मा लेने में देरी करते हैं। उद्धार के तुरंत बाद बपतिस्मा लेना आवश्यक है। प्रेरितों के काम 9:18 में दर्ज है कि शाऊल, जो बाद में पौलुस बन गया, ने अपने धर्मांतरण के तुरंत बाद बपतिस्मा लिया। जो लोग बचाए गए हैं लेकिन बपतिस्मा नहीं लिया है, वे स्वर्ग में अनंत जीवन से वंचित रह जाएँगे (यूहन्ना 3:5)। यदि आप बचाए गए हैं लेकिन अभी तक बपतिस्मा नहीं लिया है, तो समझें कि परमेश्वर आपसे बात कर रहा है और जल्दी से बपतिस्मा लेने की कोशिश करें।

आत्मा से जन्मा

बहुत से लोग इस बात की पुष्टि करने में संतुष्टि पाते हैं कि उन्होंने पश्चाताप किया है, यीशु मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया है, और बपतिस्मा लिया है। हालाँकि, केवल पानी से जन्म लेना ही पर्याप्त नहीं है; आत्मा से जन्म लेना भी महत्वपूर्ण है। इसके लिए पवित्र आत्मा का अभिषेक प्राप्त करना आवश्यक है। जब यीशु अपने पुनरुत्थान के बाद स्वर्ग जाने वाले थे, तो उन्होंने अपने शिष्यों से कहा, "यूहन्ना ने पानी से बपतिस्मा दिया, लेकिन तुम अब से कुछ ही दिनों में पवित्र आत्मा से बपतिस्मा पाओगे" (प्रेरितों के काम 1:5)। जैसा कि उन्होंने कहा, पिन्तेकुस्त के दिन, पवित्र आत्मा सामर्थी रूप से उतरा और सभी को भर दिया, और वे आत्मा से जन्मे। पवित्र आत्मा प्राप्त करने के बाद प्रारंभिक कलीसिया के लोगों ने महत्वपूर्ण बदलाव का अनुभव किया: उन्होंने अलग-अलग भाषाओं में बात की, साहसपूर्वक मसीह का प्रचार किया, चमत्कार किए, निस्वार्थ और एकता में जीवन बिताया, दृढ़ता से उत्पीड़न सहा, और नए चर्चों की स्थापना के लिए मिशनरी यात्राएँ शुरू कीं।

पवित्र आत्मा के लाभ

- जब पवित्र आत्मा हम पर आता है, तो हमें शक्ति प्राप्त होती है (प्रेरितों 1:8) ।
- वह हमें पाप, धार्मिकता और न्याय के बारे में दोषी ठहराता है (यूहन्ना 16:8) ।
- वह हमें सभी सत्यों में मार्गदर्शन करता है और हमें सिखाता है कि हमें क्या करने की आवश्यकता है (यूहन्ना 14:26, 16:13) ।
- वह हमें पवित्र करता है (2 थिस्सलुनीकियों 2:13), हमें सभी बंधनों से मुक्त करता है (2 कुरिं 3:17), और हमारे नश्वर शरीरों को जीवन देता है (रोमियों 8:11) ।
- वह हमारी कमज़ोरियों में हमारी मदद करता है और हमारे लिए मध्यस्थता करता है (रोमियों 8:26) ।
- वह हमें मसीह को प्रकट करने के लिए आत्मा के फलों और उपहारों से भरता है।

तो, कोई व्यक्ति पवित्र आत्मा को कैसे प्राप्त कर सकता है?

- पवित्र आत्मा को प्राप्त करने के लिए, आपको उसके लिए प्यासा होना चाहिए जैसे हिरण पानी की धाराओं के लिए तड़पता है (यूहन्ना 7:37)।
- परमेश्वर पर विश्वास करें (यूहन्ना 7:38)।
- बच्चों के आत्मविश्वास के जैसे पिता से पूछें (लूका 11:9–13)।
- परमेश्वर जो भी आज्ञा देता है, उसका पालन करें (प्रेरितों 5:32)।

यदि आप अभी तक आत्मा से पैदा नहीं हुए हैं, तो ईमानदारी से पवित्र आत्मा की तलाश करें और उसे प्राप्त करें, जो हमें छुटकारे के दिन के लिए एक मुहर के रूप में दिया गया है।

प्रिय नौजवानों, इन अंतिम दिनों में, कुछ लोग यह प्रचार करते हैं कि बपतिस्मा और पवित्र आत्मा का अभिषेक अनावश्यक है और हम अपने पापों के बावजूद स्वर्ग जा सकते हैं। कुछ लोग झूठे अभिषेक का भी प्रचार और अभ्यास करते हैं। बाइबल हमें ऐसी शिक्षाओं से सावधान रहने की चेतावनी देती है। शैतान बहुत चालाक है, और वह हमें स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने से रोकने के लिए शास्त्रों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने और हमें धोखा देने के लिए झूठे सेवकों को नियुक्त करता है। सतर्क रहें, बाइबल की सच्चाइयों का पालन करें और अपनी अनमोल प्राणों की रक्षा करें।

"पाप केवल वही करना नहीं है जो प्रभु मना करते हैं; यह वह भी है जो वह आज्ञा देते हैं उसे न करना।"

परमेश्वर जो ध्यान रखता है

आज की तेज़ तर्रार दुनिया में, परिवार के सदस्यों को भी एक-दूसरे से मिलना या हालचाल पूछना मुश्किल लगता है। कई माता-पिता वृद्धाश्रम में छोड़ दिए जाते हैं, और बच्चों को अनाथालयों में लावारिस छोड़ दिया जाता है। यह कठोर वास्तविकता बताती है कि समाज द्वारा उपेक्षित लोगों से प्यार करने या उनकी देखभाल करने वाला अक्सर कोई नहीं होता। जबकि हम जिन लोगों से प्यार करते हैं वे हमें अनदेखा कर सकते हैं, एक है जो हमेशा ध्यान रखता है - परमेश्वर। वह हमारे सभी मामलों पर नज़र रखता है और हमारी ज़रूरतों का प्रत्युतर देता है।

बेथसदा के कुण्ड के पास, लगभग 38 वर्षों से बीमारी से पीड़ित एक व्यक्ति को उसके परिवार, रिश्तेदारों और दोस्तों ने छोड़ दिया था। वह प्यार और देखभाल के लिए तरस रहा था, लेकिन उसे कोई नहीं मिला। जब यीशु ने उसे वहाँ पड़ा हुआ देखा, तो वह समझ गया कि वह बहुत लंबे समय से ऐसा ही था। यीशु ने उससे पूछा, "क्या तू चंगा होना चाहता है?" (यूहन्ना 5:6)। हालाँकि उस व्यक्ति ने यीशु को नहीं खोजा था, फिर भी यीशु ने उसे खोजा, सहानुभूति के साथ उसकी देखभाल की, उसके पापों को क्षमा किया और उसे उसके कष्ट से चंगा किया। जिस तरह यीशु ने इस त्यागे हुए व्यक्ति की स्थिति बदली, उसी तरह वह आपके पास आएगा, आपसे प्रेम करेगा और आपकी परिस्थितियों को बदल देगा जब आपको लगेगा कि आप ध्यान रखने वाला कोई नहीं है। एक दिन,

अब्राहम ने अपनी दासी हाजिरा और उसके बेटे को कुछ रोटी और पानी देकर विदा किया। अब्राहम के इस अप्रत्याशित निर्णय ने हजीरा के मन में कई सवाल खड़े कर दिए होंगे। जिस व्यक्ति ने कभी उनसे प्रेम किया था, उसके द्वारा त्यागा महसूस करते हुए, वह बेर्शेबा के जंगल में भटकती रही, यह नहीं जानती थी कि आगे क्या करना है। कोई भी उसे सांत्वना देने या उसकी ओर से कोई निवेदन करने के लिए वहाँ नहीं था। लेकिन परमेश्वर के दूत ने हाजिरा को पुकारा और कहा, "मत डर; क्योंकि जहां तेरा लड़का है वहां से उसकी आवाज परमेश्वर को सुन पड़ी है। उठ अपने लड़के को उठा और हाथ से संभाल, क्योंकि मैं उसके द्वारा एक बड़ी जाती बनाऊंगा" (उत्पत्ति 21:17-18)। परमेश्वर ने प्रेमपूर्वक हाजिरा की देखभाल की और उसकी स्थिति बदल दी, जिससे उसके बच्चे

के भविष्य के बारे में चिंता करने का बोझ कम हो गया। हमारे आस-पास के लोग हमें छोड़ सकते हैं, लेकिन यीशु, जिन्होंने वादा किया था, "मैं तुम्हें अनाथ नहीं छोड़ूंगा; मैं तुम्हारे पास आऊंगा" (यूहन्ना 14:18), हमें कभी नहीं छोड़ेंगे। क्या आप असहाय महसूस कर रहे हैं, यह सोचकर कि आपकी सहायता करने वाला कोई नहीं है? यीशु आपकी देखभाल करने के लिए मौजूद हैं, इसलिए चिंता न करें।

एक बार एक पिता अपने बेटे को यीशु के पास लाया, जो एक गूंगी आत्मा से ग्रस्त था। जब आत्मा ने यीशु को देखा, तो उसने लड़के को मरोड़ दिया, और वह ज़मीन पर गिर पड़ा। यीशु ने लड़के के पिता से पूछा, "इसकी यह दशा कब से है?" (मरकुस 9:21)।

उन्होंने न केवल लड़के की स्थिति के बारे में पूछा, बल्कि अशुद्ध आत्मा को भी निकाला, उसके कानों को ठीक किया, और उसे बोलने में सक्षम बनाया। यीशु, जिन्होंने दुनिया और लोगों द्वारा त्यागे गए लोगों की देखभाल की और उनके लिए चमत्कार किए, आज भी वही हैं। चूँकि परमेश्वर हमारा ध्यान रखता है, इसलिए वह हमारी सारी चिंताओं को अपने ऊपर ले लेता है। अगर हम उस पर अपना विश्वास और भरोसा रखते हैं, तो वह हमें कभी नहीं छोड़ेगा। भले ही हमारी परेशानियाँ हमारे दोस्तों या परिवार को पता न हों, यीशु हमारी तकलीफ को अपनी मानते हैं और करुणा से हमारी मदद करते हैं।

प्रिय नौजवानों, याद रखें कि प्रभु न केवल आप पर नज़र रख रहे हैं बल्कि आपकी मदद करने के लिए भी तैयार हैं। जैसा कि बाइबल कहती है, "अपनी सारी चिंता उसी पर डाल दो क्योंकि उसे तुम्हारा ध्यान है" (1 पतरस 5:7)। चाहे वह भविष्य का डर हो, बीमारी हो, कमज़ोरी हो या पाप का बंधन हो, वह आपको छुड़ाएगा, आपके सारे बोझ उठाएगा और आपको सीधे चलने में मदद करेगा!

महाराष्ट्र मुंबई
MOUNT SINAI 2024
[One Day Special Fasting Prayer for Youth]
November 1
(Friday)
9 AM to 4 PM
जगह: मार्निंग स्टार विद्यालय
अशोक मिल काम्पौंड, सियान बान्द्रा लिंक रोड
साहिल होटल के सामने ,धारावी, मुंबई - 400017
Contact: 9004882470, 8082410410, 9664050567
Prayer & Message
Bro. Avinash

NISUIN BERIYTH

(विवाह अनुबंध)

भाग 7

प्रिय नव युवक और युवतियों, आप सभी को हार्दिक अभिनन्दन। पिछले सात महीनों में, विवाह अनुबंध पर इस श्रृंखला ने आपको विवाह की तैयारी के लिए बहुमूल्य सलाह प्रदान की है। इस लेख में, हम "विवाह की प्रतीक्षा करते समय निश्चित रूप से उन बातों पर जिनसे बचना है" चर्चा करेंगे।

विवाह में स्वार्थ

कई युवा अपनी खुशी को प्राथमिकता देते हैं, अपने जीवन साथी को खुद चुनते हैं, और अपने माता-पिता के घर छोड़ देते हैं। इससे अक्सर अपूरणीय पारिवारिक खुशी, एकता और सु-प्रतिष्ठा का नाश होता है।

हमारे घर के निकट रहने वाले एक परिवार में, तीन बेटियाँ थीं। पिता एक कार्यालय में चपरासी के रूप में काम करते थे, और माँ आस-पड़ोस के लोगों के लिए कपड़े सिलती थी। उन्होंने अपनी मामूली आय से अपने तीन बच्चों को पालने और पढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत की। सबसे बड़ी बेटी कॉलेज के दूसरे वर्ष में थी, जबकि अन्य दो अभी भी स्कूल में थीं। माता-पिता को उम्मीद थी कि संघर्ष के सिर्फ एक और साल के साथ, सबसे बड़ी बेटी अपनी शिक्षा पूरी कर लेगी, एक अच्छी नौकरी हासिल कर लेगी और परिवार का बोझ उठा लेगी। लेकिन, बड़ी बेटी ने अपने परिवार की स्थिति और पिता के संघर्षों की परवाह न करते हुए एक नोट छोड़ा जिसमें लिखा था कि उसने अपना जीवन साथी खुद चुना है और किसी को उसकी चिंता करने की जरूरत नहीं है। फिर वह एक पुरुष के साथ चली गई। पूरा परिवार गम में डूब गया। तीन दिनों तक कोई भी घर से बाहर नहीं निकला, न ही कुछ खाया, न सोया। करीब तीन महीने तक घर में दर्द की कराहट गूंजती रही। घर नर्क बन गया। कोई मुस्कान नहीं थी, सिर्फ आंसू और पीड़ा थी। माता-पिता अपने पड़ोसियों, सहकर्मियों और रिश्तेदारों से आलोचनाएँ सुन-सुनकर बिखर गए।

सालों बाद, जब परिवार ठीक हो गया और फिर से सामान्य जीवन शुरू कर दिया, तो एक प्रेमी का परिवार दूसरी बेटी को

देखने आया। सामान्य औपचारिकताओं के बाद, उन्होंने अपनी रुचि व्यक्त की, लेकिन फिर कहा, “हमने सुना है कि बड़ी बेटी भाग गई है। हम एक सम्मानित परिवार से हैं, और हमें इस परिवार की लड़की नहीं चाहिए।”

माता-पिता के साथ-साथ बाकी बेटियों के दुख और आंसुओं की कोई सीमा नहीं थी। प्रिय बच्चों, इस छोटी लड़की ने अपने लापरवाह कामों से अपने माता-पिता को तिरस्कार और अपमान के जीवन के लिए अभिशप्त कर दिया, साथ ही अपने भाई-बहनों के भविष्य को भी खतरे में डाल दिया। क्या ऐसा जीवन कोई सच्ची खुशी ला सकता है? इसका उत्तर आप स्वयं दें।

पवित्रशास्त्र कहता है, “यदि कोई भलाई के बदले बुराई करे, तो उसके घर से बुराई दूर नहीं होगी” (नीतिवचन 17:13)। स्वार्थ से कलंकित विवाह कभी भी वास्तव में समृद्ध नहीं हो सकते, क्योंकि स्वार्थ किसी भी संभावित अच्छाई को ढक देगा।

विवाह में स्वार्थ

लिव-इन रिलेशनशिप, या सहवास, एक ऐसी व्यवस्था है जहाँ विपरीत लिंग के दो व्यक्ति कानूनी रूप से विवाहित न होने के बावजूद विवाहित जोड़े की तरह एक साथ रहते हैं। विवाह एक मजबूत, अटूट बंधन है जो जीवन भर चलने वाला होता है। इसके विपरीत, सहवास एक ऐसी प्रथा है जो पश्चिमी संस्कृतियों में डेटिंग के माध्यम से उत्पन्न हुई है और किसी भी क्षण समाप्त हो सकती है।

लोग अक्सर सुविधा, पैसे बचाने, या काम से संबंधित कारणों से सुविधा, वित्तीय बचत, या पेशेवर दायित्वों के लिए सहवास करते हैं, लेकिन यह व्यवस्था अक्सर व्यभिचार के पाप की ओर ले जाती है।

यह सीधे तौर पर परमेश्वर द्वारा स्थापित विवाह वाचा का खंडन करता है। जब कोई व्यक्ति स्वर्ग, पृथ्वी और ब्रह्मांड के निर्माता की आज्ञा के विरुद्ध जीने की कोशिश करता है, तो उसे कौन बचा सकता है?

दूसरे राज्यों या देशों में काम की तलाश करने वाले युवाओं को सावधानी से काम करना चाहिए!

निसुइन बेरीथ श्रृंखला विवाह की प्रतीक्षा करते समय ख्याल रखने वाली अन्य बातों के साथ जारी रहेगी।

ट्रेन का सफ़र भाग 7

बारिश से तरबतर एंड्रयू ट्रेन में चढ़ता है। जैसे ही वह अपनी सीट पर बैठता है, वह देखने के लिए जाँच करता है कि उसका लैपटॉप या बैग में रखी दूसरी चीज़ें गीली तो नहीं हो गई हैं।

विक्की: "अरे यार, लगता है तुम बारिश में लथपथ हो गए हो," वह एंड्रयू को उसका बैग ठीक करने में मदद करते हुए कहता है।

एंड्रयू : "इन दिनों मौसम का अनुमान लगाना असंभव है। एक पल धूप खिली रहती है, और अगले ही पल बारिश होने लगती है।"

विक्की: "हाँ, मौसम महीनों से ऐसा ही है। इसलिए मैं हमेशा अपने बैग में छाता या रेनकोट रखता हूँ।"

एंड्रयू : "यह अभी भी ठीक है। उत्तरीय भाग में, वे एक तरफ़ पानी की कमी और सूखे से जूझ रहे हैं, साथ ही दूसरी तरफ़ चक्रवात और बाढ़ से भी। यह सब एल नीनो(El Nino) की वजह से है।"

विक्की: "एल नीनो? यह क्या है?"

एंड्रयू : "रुको, गर्म चाय आने वाली है। चलो पहले दो कप लेते हैं। यह इस मौसम के लिए एकदम सही रहेगी।"

एंड्रयू: "प्रशांत महासागर में हमेशा व्यापारिक हवा चलती रहती है। यह हवा प्रशांत महासागर के एक हिस्से को गर्म और दूसरे हिस्से को ठंडा रखती है। यह हवा अमेरिका और दक्षिण एशिया में जलवायु को निर्धारित करती है।"

विक्की: "हम्म... तो समस्या क्या है?"

एंड्रयू: "यदि इस व्यापारिक हवा की गति कम हो जाती है या रुक जाती है, तो पूरा प्रशांत महासागर गर्म हो जाता है, जिससे सूखा, ग्लोबल वार्मिंग, भारी बारिश और बाढ़ आती है। एल नीनो हर 2 से 7 साल में आता है।"

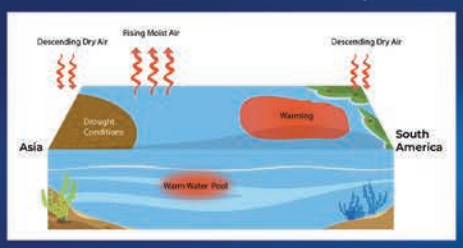

विक्की: "तो, क्या यह साल एल नीनो साल है?"

एंड्रयू: "हां, लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि इस साल के एल नीनो का प्रभाव पिछले सालों की तुलना में कम गंभीर होने की उम्मीद है।"

हालांकि, भारत के लिए इसका मतलब है मानसून की बारिश में कमी और पानी की कमी में वृद्धि।"

विक्की: "हमने इस साल दिल्ली में लोगों को पानी के लिए लंबी लाइनों में खड़े होते देखा है।"

एंड्रयू: "हां, 1997-98 में, अल नीनो का प्रभाव सभी महाद्वीपों पर महसूस किया गया था, जिससे चक्रवात, हीटवेव, बाढ़, सूखा और पानी की कमी हुई थी। मैंने इस पर एक वीडियो देखा। मैं इसे आपको व्हाट्सएप पर भेजूंगा; आपको इसे देखना चाहिए।"

विक्की: "हम्म... (आह भरते हुए) हमारे आसपास हर समय खतरा मंडराता रहता है। एक समस्या खत्म होती है, और दूसरी शुरू हो जाती है। यह वास्तव में डरावना है।"

एंड्रयू: "यह सच है कि इस दुनिया में खतरे हैं, लेकिन यीशु हमें उनसे बचाने के लिए यहाँ हैं। इसलिए मैं डरता नहीं हूँ, विक्की।"

विक्की (उदासीनता से): "ठीक है, ठीक है... आप हमेशा इतनी अच्छी तरह से प्रार्थना करते हैं। मेरे लिए भी प्रार्थना करें। देखते हैं कि आपका यीशु मुझे बचाता है या नहीं।"

एंड्रयू: "वह निश्चित रूप से बचाएगा! आप खुद ही देख लेंगे।" यह बात उसने अपने स्टॉप पर ट्रेन से उतरते हुए कही।

उनकी बातचीत जारी है...

भावना

हम जिस तेज़-तर्रार, सूचना-संतृप्त दुनिया में रहते हैं, उसमें भ्रम एक आम अनुभव है, खासकर युवाओं में। चाहे वह करियर के चुनाव करने की बात हो, रिश्तों को संभालने की बात हो या किसी के विश्वास को समझने की, भ्रम भारी पड़ सकता है। इस लेख का उद्देश्य भ्रम के कारणों और प्रभावों का पता लगाना है, साथ ही इसे दूर करने के लिए व्यावहारिक कदम और बाइबिल की सलाह देना है।

भ्रम के कारण या वजह

• सूचना का अतिभार: इंटरनेट और सोशल मीडिया के साथ, हम लगातार सूचनाओं से घिरे रहते हैं। सत्य और गलत सूचना के बीच अंतर करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

• साथियों का दबाव: दोस्तों या सामाजिक अपेक्षाओं के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश करने से परस्पर विरोधी भावनाएँ और अनिश्चितता पैदा हो सकती है।

• मार्गदर्शन की कमी: उचित मार्गदर्शन या रोल मॉडल के बिना, महत्वपूर्ण निर्णय लेना अज्ञात क्षेत्र में नेविगेट करने जैसा महसूस हो सकता है।

• जीवन परिवर्तन: बड़े बदलाव, जैसे कि किसी नए शहर में जाना, कॉलेज शुरू करना या कार्यबल में प्रवेश करना, अस्थिरता की भावना पैदा कर सकते हैं।

• आध्यात्मिक संदेह: आस्था और ईश्वर की योजना के बारे में सवालों से जूझना आध्यात्मिक भ्रम की ओर ले जा सकता है।

भ्रम के प्रभाव

• अनिर्णय: भ्रम निर्णय लेने की क्षमता को पंगु बना सकता है, जिससे अवसर चूक सकते हैं।

• चिंता और तनाव: लगातार अनिश्चितता महत्वपूर्ण भावनात्मक संकट पैदा कर सकती है।

• उत्पादकता में कमी: भ्रमित मन ध्यान केंद्रित करने में संघर्ष करता है, जिससे शैक्षणिक और पेशेवर प्रदर्शन प्रभावित होता है।

• तनावपूर्ण संबंध: गलतफहमी और मिश्रित संकेत उत्पन्न हो सकते हैं, जिससे दोस्तों और परिवार के साथ मनमुटाव हो सकता है।

• आध्यात्मिक ठहराव: संदेह और भ्रम आध्यात्मिक विकास और ईश्वर के साथ व्यक्ति के रिश्ते में बाधा डाल सकते हैं।

व्यावहारिक रूप से भ्रम को कैसे दूर करें

• ज्ञान और सलाह लें: विश्वसनीय सलाहकारों, पादरियों या परामर्शदाताओं से बात करें जो मार्गदर्शन और दृष्टिकोण प्रदान कर सकते हैं।

• प्रार्थना करें और चिंतन करें: प्रार्थना में समय बिताएं, ईश्वर से स्पष्टता और दिशा मांगें। अपने विचारों और भावनाओं को जर्नल में लिखना भी भ्रम को दूर करने में मदद कर सकता है।

• सूचना का सेवन सीमित करें: सोशल मीडिया और अन्य सूचना स्रोतों से ब्रेक लें ताकि आप अपने काम पर अधिक ध्यान न दें।

• प्राथमिकताएँ निर्धारित करें: पहचानें कि आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण क्या है और उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करें। निर्णयों को छोटे, प्रबंधनीय चरणों में विभाजित करें।

• पवित्रशास्त्र में दृढ़ रहें: नियमित बाइबल अध्ययन आपके विचारों और निर्णयों को परमेश्वर की सच्चाई में स्थिर करने में मदद करता है।

बाइबिल की सलाह

जब हम अपने दम पर कुछ करने का प्रयास करते हैं, तो भ्रम पैदा होता है। इसलिए, जब हम खुद को प्रभु के मार्गदर्शन के लिए समर्पित करते हैं, तो वह हमारे मार्ग को सीधा कर देगा (नीतिवचन 3:5–6)।

• धन्यवाद के साथ प्रार्थना और विनती भ्रम के बीच शांति लाएगी (फिलिप्पियों 4:6-7)।

• अनिर्णय के क्षणों में, जब हम प्रभु की उपस्थिति की तलाश करते हैं और उनसे पूछताछ करने के लिए उनके चरणों में बैठते हैं, तो उनकी कोमल आवाज़ हमारे कानों में सुनाई देगी। यह आवाज़ हमें खूबसूरती से निर्देश देगी कि हमें क्या करने की ज़रूरत है (यशायाह 30:21)।

प्रिय नव जवान लोगों, भ्रम जीवन की यात्रा का एक स्वाभाविक हिस्सा है। हालाँकि, आपको पहले यह समझना चाहिए कि परमेश्वर की उपस्थिति में हमारे सभी सवालों के जवाब हैं। यशायाह 9:6 में, उन्हें अद्भुत परामर्शदाता के रूप में संदर्भित किया गया है। इसलिए, जब हम अपने प्रश्न और संदेह उसके पास लाते हैं, तो वह सलाह देगा, हमारी उलझनों का उत्तर देगा, और हमारा मार्गदर्शन करेगा! मांगो, और तुम्हें मिलेगा; मन की स्पष्टता भ्रम की जगह ले लेगी!

प्रार्थना गाइड

गर्मी की लहर

इस साल मार्च से 30 जून तक भारत में 69.9 करोड़ लोग लू से प्रभावित हुए। विश्व की 60% से अधिक आबादी अत्यधिक गर्मी से प्रभावित हैं। जून तक लू से 110 लोगों की मौत हो चुकी है। इस साल उत्तरी राज्यों में गर्मी पहले से कहीं अधिक भीषण है। गर्मी से दिल्ली खास तौर पर प्रभावित रही। गर्मी के कारण पानी और बिजली का संकट है।

प्रार्थना विषय:-

1) आईए प्रार्थना करें कि बढ़ती गर्मी का प्रकोप कम हो और देश सामान्य स्थिति में लौट आए।

2) आईए प्रार्थना करें कि लू से मौतें ना हों।

3) हम उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने उत्तरी राज्यों में गर्मी की लहर के कारण अपनी नौकरियां खो दी है ताकि उन्हें वैकल्पिक नौकरियां मिल सके।

4) बिजली और पानी की कमी को दूर करने के लिए सरकार को सद्बुद्धि मिलने के लिए प्रार्थना करें।

पोषण की कमी

विश्व स्तर पर, उचित पोषण की कमी के कारण दुनिया भर में 18.1 मिलियन बच्चे अविकसित है जो उनके समग्र बुद्धि और विकास को प्रभावित करता है। 65% प्रभावित बच्चे पाकिस्तान और भारत समेत 20 देश में पाए जाते हैं। अकेले दक्षिण एशियाई देशों में 64 लाख बच्चें पौष्टिक भोजन के बिना रह रहे हैं। इस सूची में सोमालिया शीर्ष पर है।

प्रार्थना विषय:-

1) आईए प्रार्थना करें कि बच्चों को पौष्टिक भोजन मिलें और उनकी शारीरिक विकास को कोई नुकसान ना हो।

2) आईए प्रार्थना करें कि प्रभावित बच्चों को उचित इलाज दिया जाएगा और बच्चों का समुचित विकास होगा।

3) आईए हम पड़ोसी देशों के लिए प्रार्थना करें कि वे पौष्टिक भोजन की कमी से जूझ रहें देशों की जरूरत को पूरा करने के लिए भोजन प्रदान करें।

4) आईए सोमालिया में बच्चों को अच्छा पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए प्रार्थना करें।

सितम्बर 2024

गरीबी

भारत की कुल आबादी में से 22 करोड लोग गरीबी में रहते हैं। यह देश की कुल आबादी का 17% है। विश्व के एक तिहाई गरीब भारत में रहते हैं। शिक्षा की कमी भी लोगों को गरीबी में रहने का एक कारण है। वही अच्छ खास पढ़े लिखे लोगों को अच्छी नौकरियां नहीं मिल पाती है और वह कम आय में जीवन यापन कर रहे हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में बेरोजगारी एक बड़ी समस्या है और पिछले 9 वर्ष से 24.8 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं।

प्रार्थना विषय:-

1) आईए यह प्रार्थना करें कि गरीबी रेखा से नीचे के लोगों की आजीविका में वृद्धि हो।

2) आईए शिक्षित युवाओं के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें अपनी पढ़ाई और अच्छे वेतन के लिए उपयुक्त नौकरियां मिलें।

3) आईए प्रार्थना करें कि सरकार गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों के लिए उपयोगी योजनाएं और कानून लाए।

4) आईए हम भारत में रहने वाले गरीबों के लिए अच्छी शिक्षा और व्यावसायिक केंद्र और रोजगार के अवसर खुलने के लिए प्रार्थना करें।

बाल मजदूर

भारत में लगभग 43.5 लाख बाल श्रमिक है। यूनिसेफ की रिपोर्ट है कि दुनिया भर में 5 से 14 साल की उम्र के बीच में 158 मिलियन बच्चे गैर घरेलू काम के अलावा अन्य कामों में भी लगे रहते हैं। वे प्रतिदिन 20 घंटे काम करते हैं यवन कार्य, कृषि, छोटे व्यवसाय, किराने की दुकाने,पारिवारिक स्थितियों के लिए कम वेतन वाली नौकरियां करते हैं।

प्रार्थना विषय:-

1)आइए हम अपने देश में बाल श्रम के पूर्ण उन्मूलन के लिए प्रार्थना करें।

2) आईए प्रार्थना करें कि सरकार बाल श्रमिकों की स्थिति पर उचित कार्रवाई करेगी और बच्चों को बचाएगी।

3) आईए हम पारिवारिक परिस्थितियों के कारण काम पर जाने वाले लड़के लड़कियों के परिवारों को सरकारी सहायता प्रदान हो और बच्चों को बचाने के लिए प्रार्थना करें।

4) आईए प्रार्थना करें कि कारखानों में लंबे समय तक काम करने वाले बच्चों को बचाया जाए और उन्हें उचित शिक्षा मिलने के लिए प्रार्थना करें।

मैं कर सकता हूँ ! कोई लक्ष्य दूर नहीं है

मैं कर सकता हूं सब कुछ संभव है। मैं कुछ भी कर सकता हूं। युवा विजेताओं को मेरी शुभकामनाएं। हमें अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए धन या लोगों की आवश्यकता नहीं है। लेकिन अगर हम में लगातार आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प है कि मैं कुछ भी कर सकता हूं तो हम अपने लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। एक युवा सफल व्यक्ति की जीवन यात्रा जो आपके लिए है जिसने विश्वास किया कि मैं कर सकता हूं और सफलताएँ पाई।

आनंद मेहालिंगम का जन्म चेन्नई के एक गरीब परिवार में एक ट्रैक्टर ड्राइवर के बेटे के रूप में हुआ था लेकिन आनंद के सपने बड़े थे। अपनी स्कूल शिक्षा पूरी करने के बाद उसने कॉलेज में इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग को चुना और पढ़ाई शुरू की और पहले सेमेस्टर में वे अपने सभी विषय में असफल रहे। परिणाम स्वरूप उन्हें कॉलेज से निकाल दिया गया। 2 साल बर्बाद हो गए। हालांकि खेल में उनकी रुचि और प्रतिभा ने उन्हें एक प्राइवेट कॉलेज तक पहुंचाया जहाँ उन्हें खेल कोटा में सीट मिल गई। फिर उसने ऐरोनॉटिकल इंजीनियरिंग को चुना और पढ़ाई शुरूकर दी।

पढ़ाई के दौरान आनंद ने ग्लाइडर और पेपर प्लान बनाएं और कई प्रतियोगिता जीतीं। इससे प्राप्त धन से उन्होंने और भी कई प्रोजेक्ट बनाएं। उन्हें 500 से ज़्यादा प्रमाण पत्र मिल चुके है। उसने पुडुचेरी के मुख्यमंत्री द्वारा APJ अब्दुल कलाम इंटरनेशनल फाउंडेशन के द्वारा आयोजित महोत्सव में वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त किया। टैक ऐरोनॉटिकल इंजीनियरिंग का कोर्स पूरा करने के बाद आनंद ने ऑटो ड्रोन प्रौद्योगिकी में MS की पढ़ाई की। इस दौरान उन्हें बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा।

आखिरकार आनंद ने अपने पति के साथ 2021 दिसंबर महीने में भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र (Space Zone India)की स्थापना की। रॉकेट विकास, शिक्षा और तकनीक (Rockets development, and learning and development)के दो क्षेत्रों पर केंद्रित इस कंपनी ने काम करना शुरू कर दिया। वर्तमान में भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र (Space Zone India) बेमानिकी और रॉकेट प्रौघोगिकों में नये स्नातक (freshers) और PH.D धारको सहित 28 सदस्यों की अनुभवी टीम है।

कंपनी R&D रॉकेट उत्पादन और परीक्षण के लिए अलग-अलग इकाइयों के साथ अधिक आधुनिक सुविधाओं के साथ कार्य कर रही है। युवा इसे पढ़ रहे हैं। आनंद का सफर कोई चुनौती के बिना नहीं है। अपनी शिक्षा में कठिनाइयों को सामना करते हुए उन्होंने कई बाधाओं को सहन किया है। लक्ष्य तक पहुंचने के लिए दृढ़ता बहुत जरूरी है।

यदि आप मानते हैं कि मै नही कर सकता तो आप कुछ नही कर सकते विश्वास करो मै कर सकता हूं तब आकाश ही नही अंतरिक्ष भी आपके पास आ जाएगा।